



# एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 03, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2023)

[www.agriarticles.com](http://www.agriarticles.com) पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

## जल है तो कल है: जल बचाओ

(\*पवन कुमार<sup>1</sup>, रवि<sup>1</sup> एवं राजेश योगी<sup>2</sup>)

<sup>1</sup>कृषि विज्ञान केंद्र, जींद, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

<sup>2</sup>चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली

\*संवादी लेखक का ईमेल पता: [pawanbhukal26@gmail.com](mailto:pawanbhukal26@gmail.com)

**आ**ज पूरा विश्व विभिन्न प्रकार की समस्याओं से परेशान है, कहीं तूफान, कहीं पर बाढ़ का प्रकोप, भूकंप, कोरोना जैसी महामारी या फिर सूखा यानी जल संकट। पूरी मानव-जाति, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे सभी इन आपदाओं से परेशान हैं। धरती पर बिना जल के जीवन संभव नहीं है इसलिए जीवन के अस्तित्व को बनाये रखने के लिये जल का संरक्षण और बचाव बहुत जरूरी है। यदि हम आकड़ों को देखें तो पूरे विश्व में 97 प्रतिशत पानी खारा है और 3 प्रतिशत पानी पीने योग्य है। इस 3 प्रतिशत में से 2 प्रतिशत पानी ग्लेशियर या बर्फ के रूप में है और बाकि सिर्फ 10 प्रतिशत पानी पूरी दुनियां के लिए पीने योग्य है। ऐसे में जब हमारे पास पीने के पानी की उपलब्धता इतनी कम है तो हमारा ये दायित्व बनता है कि हम अपने आस-पास के लोगों को समझाएं कि वे पानी का इस्तेमाल जरूरत के हिसाब से ही करें इसे व्यर्थ में न बहाएं। इसकी शुरुआत हमें अपने घर से करनी होगी। यदि हर घर के सभी सदस्य पानी का सही हिसाब से इस्तेमाल करेंगे तो हम पानी की बर्बादी रोक पाएंगे। इसके लिए हमें रसोईघर, बाथरूम, साफ सफाई व अन्य कार्य करते वक्त हमेशा ध्यान रखना पड़ेगा।

### रसोईघर में पानी के सही इस्तेमाल के सुझाव

- फल व सब्जियों को धोने के लिए खुले पानी की बजाय पतीले या बाल्टी का प्रयोग करना चाहिए ताकि फल व सब्जियों को धोने के बाद बचे पानी का इस्तेमाल हम अपने घर में रखे गमलों या किचन गार्डन के पौधों की सिंचाई के लिए कर सकें।
- बर्तनों को साफ करते समय अनावश्यक ही नल को न चलाएं यदि संभव हो तो बर्तनों को टब या बाल्टी में धोएं।
- सब्जियों को उबालने के लिए कम पानी का इस्तेमाल कर बाद में इस पानी को अन्य कार्य के लिए इस्तेमाल करें।
- अपने घर में आर. ओ. से निकलने वाले वेस्ट पानी को घर में लगे पौधों की सिंचाई या फर्श की सफाई के लिए इस्तेमाल करें ऐसा करके आप पानी को व्यर्थ होने से बचा सकते हैं

### शौचालय में पानी का प्रयोग

- अपने घर के वाॅश बेसिन के नल के बहाव को कम रखना चाहिए।
- पानी रिसने वाले नलों को समय पर ठीक करवाएं।
- नहाने के लिए शावर की जगह बाल्टी व मग का इस्तेमाल करें।
- शेविंग या ब्रश करते समय नल को खुला न छोड़ें।
- शौचालयों में आवश्यकता से अधिक पानी न डालें।

### साफ-सफाई के लिए पानी का प्रयोग

- अक्सर देखते हैं कि लोग अपने घरों के आंगन को प्लास्टिक की पाईप लगा कर धोते हैं और ऐसा करने से पानी घर के आंगन से होता हुआ बाहर गलियों में बहने लगता है। इसे रोकने के लिए घर की साफ-सफाई करने के लिए बाल्टी में पानी डाल कर प्रयोग करें और इसके लिए आर. ओ., एसी या फिर सब्जियां धोने के बाद बचे पानी को इस काम के लिए इस्तेमाल करें।
- वाशिंग मशीन में प्रतिदिन कपड़े धोने की बजाय सप्ताह में एक या दो दिन कपड़े धोएं ऐसा करने से पानी व साबुन दोनों की बचत होगी और कपड़े धोने के बाद बचे हुए पानी को सफाई के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

### पानी की बचत के अन्य तरीके

- पीने के लिए गिलास में उतना ही पानी ले जितनी आवश्यकता हो।
- होली त्योहार के दौरान पानी के अत्यधिक इस्तेमाल को कम करने के लिये सूखी और सुरक्षित होली को बढ़ावा देना चाहिये।
- जागरूकता फैलाने के लिये हमें जल संरक्षण से संबंधित कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चाहिये।
- अपने साईकल स्कूटर को प्रतिदिन धोने की बजाय सूखे या गीले कपड़े से साफ करें।
- यदि आपके घर में पशु हैं तो उन्हें नहलाने के लिए बाल्टी और मग का इस्तेमाल करें और इस पानी को नलियों में व्यर्थ न बहने दे बल्कि इसके लिए ग्रह वाटिका में सिंचाई के लिए नालियां बनाएं और इस पानी को उसमें जाने दें। अपने घर में रखें गमलों, बगीचों में शाम के वक्त सिंचाई करें ताकि वाष्पीकरण न हो और कम पानी में सिंचाई हो सके।
- इसके अलावा अपने घरों में वर्षा के पानी को संग्रहित करना चाहिए। इसके लिए बहुत आसान तकनीक है जिसमें पी. वी. सी. पाईप और फिल्टर को आपस में जोड़कर छत पर गिरे बारिश के पानी को जमीन में उतारा जाता है। इसे हम घर में स्थित बोर, ट्यूबवेल, कुएं, बावड़ी में उतार सकते हैं और फिर पूरा साल इस पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है।
- घर की टकियों में वाटर ओवरफ्लों अलार्म लगवाने चाहिए।
- किसी सार्वजनिक स्थान (पार्क, स्कूल, अस्पताल, गली, मोहल्ले) में यदि कोई नल खराब दिखाई दे तो एक समझदार नागरिक की तरह जल विभाग आफिस में इसकी शिकायत करें ताकि पानी की बरवादी को रोका जा सके।
- इसके अलावा हमें अपने घरों, पार्कों या स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए क्योंकि पेड़ वर्षा लाने में सहायक होते हैं, पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। पेड़-पौधे हमें ऑक्सीजन देते हैं और वातावरण में अधिक ऑक्सीजन होने से कोविड जैसी बिमारियों से लड़ने में हमारी शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं। अधिक वृक्ष होने से पौधे पर पक्षी भी अधिक आएंगे और ये पक्षी वातावरण को खुशामा बना देंगे।

भारत के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते पानी की कमी की सभी समस्याओं के बारे में हमें अपने आपको जागरूक रखना चाहिये जिससे हम सभी प्रतिज्ञा ले और जल संरक्षण के लिये एक-साथ आगे आये। ये सही कहा गया है कि सभी लोगों का छोटा प्रयास एक बड़ा परिणाम दे सकता है जैसे कि बूंद-बूंद करके तालाब नदी और सागर बन सकता है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए हमें प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि पानी हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए धरोहर है, अतः हमसे जितना हो सकेगा, हम पानी का सदुपयोग करेंगे और अपने देश व समाज के अच्छे नागरीक बनेंगे।